Name: ______________________________ Date: ____________________

चिड़िया की बच्ची

प्रश्न-1 माधवदास के बार-बार समझाने पर भी चिड़िया सोने के पिंजरे और सुख-सुविधाओं को कोई महत्व नहीं दे रही थी। दूसरी तरफ़ माधवदास की नज़र में चिड़िया की ज़िद का कोई तुक न था। माधवदास और चिड़िया के मनोभावों के अंतर क्या-क्या थे? अपने शब्दों में लिखिए।

उत्तर ____

____

____

____

____

____

____

____

____

____

www.educationwithfun.com

चिड़िया की बच्ची

प्रश्न-1 माधवदास के बार-बार समझाने पर भी चिड़िया सोने के पिंजरे और सुख-सुविधाओं को कोई महत्व नहीं दे रही थी। दूसरी तरफ़ माधवदास की नज़र में चिड़िया की ज़िद का कोई तुक न था। माधवदास और चिड़िया के मनोभावों के अंतर क्या-क्या थे? अपने शब्दों में लिखिए।

उत्तर माधवदास और चिड़िया के मनोभाव एक दूसरे से विपरीत थे। एक तरफ माधवदास के लिए धन-संपत्ति, सुख-सुविधा से बढ़कर जीवन में कुछ नहीं था और दूसरी ओर चिड़िया के लिए ये सभी सुख सुविधाएँ व्यर्थ थी। चिड़िया के लिए हवा, धुप और फूल ही उसकी धन-संपत्ति थे। उसकी सारी संपन्नता उसकी स्वछंदता ही थी। उसे सोने चाँदी से कुछ लेना देना नहीं था इसलिए वह माधवदास की बातों का महत्व नहीं दे रही थी। चिड़िया के लिए आत्मिक और पारिवारिक सुख ही महत्वपूर्ण था। उसके लिए उसकी माँ की गोद सबसे प्यारी थी। अर्थात् चिड़िया की खुशी भौतिक सुखों से अलग भावनात्मक सुखों में थी। परन्तु माधवदास के लिए धन दौलत ही सर्वोपरि था। उसके सामने भावनाएँ मूल्यहीन थीं।

www.educationwithfun.com